वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 88 | मंगलवार 22 जुलाई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को राजभवन में श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई। जस्टिस श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन ने अंग्रेजी में शपथ ली। समारोह के प्रारम्भ में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यपाल से श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधिपति की नियुक्ति अधिसूचना एवं वारंट पढ़कर सुनाया। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्रीगण दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा और मंत्रिपरिषद के सदस्यगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं मुख्य न्यायाधीश श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन के परिजन उपस्थित रहे।

न्यायाधिपति श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन की शपथ ग्रहण से पूर्व राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात

जयपुर. कासं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से सोमवार को राजभवन में न्यायाधिपति श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन ने मुलाकात की। राजस्थान उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधिपति के रूप में शपथ ग्रहण से पूर्व उनकी राज्यपाल बागडे से यह शिष्टाचार भेंट थी।

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी निश्चय प्रसाद ने राज्यपाल के परिसहाय का पदभार संभाला

जयपुर. कासं। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी निश्चय प्रसाद ने सोमवार को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के परिसहाय के रूप में पदभार ग्रहण किया है। राज्यपाल ने प्रसाद को शुभकामनाएं दी है।

रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन का वार्षिक पदस्थापन समारोह भव्य आयोजन के साथ सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन का वार्षिक पदस्थापन समारोह रविवार को शहर के प्रतिष्ठित होटल नोवोटेल में अत्यंत गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3056 की प्रांतपाल श्रीमती प्रज्ञा मेहता रहीं, जिन्होंने वर्ष 2025-26 के लिए संजय अग्रवाल-अध्यक्ष, आशीष बैद- सचिव, अजय जैन-कोषाध्यक्ष एवं नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। क्लब के नव-नियुक्त अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि रोटरी का उद्देश्य सेवा से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है और क्लब इसी भावना से कार्य करता रहेगा। उन्होंने आने वाले वर्ष के लिए कई नवाचारों और जनहितकारी परियोजनाओं की रूपरेखा साझा की। नवनिर्वाचित सचिव आशिष बैद ने बताया कि इस वर्ष क्लब में 36 नए सदस्यों को जोड़कर क्लब को और सशक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी से क्लब में नई ऊर्जा और दृष्टिकोण जुड़ता है। प्रांतपाल श्रीमती प्रज्ञा मेहता ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि जयपुर सिटिजन क्लब प्रांत के सर्वश्रेष्ठ क्लबों में गिना जाता है। इस क्लब की सेवा भावना, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और सामूहिक सहभागिता सराहनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह टीम नई ऊँचाइयों को छुएगी। पूर्व प्रांतपाल रत्नेश कश्यप ने नए सदस्यों को रोटरी की सदस्यता की शपथ दिलाई और उन्हें रोटरी के सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति निष्ठावान रहने का संकल्प दिलवाया। इस भव्य आयोजन की विशेष अतिथि रहीं फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2023, मिस नंदिनी गुप्ता, जिन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों को सदैव सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। क्लब के

चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने कार्यक्रम के इतिहास और क्लब की स्थापना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जयपुर सिटिजन क्लब ने अपने पहले दिन से ही समाजसेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कोषाध्यक्ष अजय जैन ने बताया कि यह समारोह पारंपरिक राजस्थानी थीम पर आधारित था, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, लोक संगीत और पारंपरिक वेशभूषा ने समां बाँध दिया। समारोह में 400 से अधिक सदस्यों, अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन प्रीति सक्सेना ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया। अंत में सचिव आशिष बैद ने चीफ कॉर्डिनेटर कमलेश जैन, कॉर्डिनेटर्स, कन्वीनर्स व सभी अतिथियों, सहयोगियों और टीम सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

त्रिवेणी नगर जैन मंदिर का 29वां दो दिवसीय स्थापना दिवस समारोह में बिघ्न हरण पार्श्वनाथ विधान हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपालपुरा बाईपास, त्रिवेणी नगर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का 29वा' दो दिवसीय स्थापना दिवस हर्ष उल्लास व भक्तिभाव के साथ मनाया गया । नरेश कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम दिन रविवार रात्रि में 48 दीपकों से भक्तामर का पाठ हुआ । सोमवार को प्रातः श्रीजी की शोभा यात्रा कलश यात्रा निकाली गई जो विभिन्न मार्गो से होती पुनः मंदिर जी पहुंची । जुलूस में महिलाएं मंगल कलश लेकर व भजन गाते हुए चल रही थी । जहां ध्वजारोहण अखिलेश, नवीन बज परिवार ने किया व श्रीजी के अभिषेक व शांतिधारा हुई। जिसका सौभाग्य धर्मश्रेष्ठी राजकुमार, अजय, विजय व नीलकमल पांड्या

परिवार को प्राप्त हुआ । तत्पश्चात पार्श्वनाथ बिघ्न हरण विधान हुआ । शाम को 108 दीपकों से महाआरती हुई । इस अवसर पर महेन्द्र काला, राकेश छाबड़ा, अशोक पाटोदी, कैलाश सौगानी, लोकेश जैन, नरेंद्र सेठी, महावीर कासलीवाल, पुष्पेन्द्र अजमेरा, सुरेश सेठ, भागचन्द पाटनी, जितेन्द्र मोहन जैन, मनोज टोंग्या, अंकुर पाटोदी, महेन्द्र बाकलीवाल, अशोक रारा, कमल चांदवाड, विमल छाबड़ा, देवेंद्र कासलीवाल, सुशील बड़जात्या, राजेन्द्र पाटनी, सुनील लुहाड़िया, हीरा जैन, नरेन्द्र बज, विनोद अजमेरा, दीपचंद जैन, महेन्द्र जैन, प्रवीण जैन, राजेश णमोकार, नितिन, नितेश छाबड़ा, आकाश जैन, विनय पाटनी, सुनील छाबड़ा, राजकुमार पाटनी, सतीश जैन, गौरव जैन, सुशील सौगाणी, महिला मंडल की सन्तोष सौगानी, मैना पाटनी, बबीता लुहाड़िया, वंदना अजमेरा, मृदुला काला, सहित बडी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित थे।

प्रेषक :
नरेश कासलीवाल, प्रचार प्रभारी

अच्छी संगति हमें सकारात्मक दिशा में ले जाती, जबकि बुरी संगति गलत रास्ते पर ले जाती सकती है : आर्यिका सुरम्य मति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी स संघ के पावन सानिध्य में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि आज प्रातः पार्श्वनाथ चैताल्य में अभिषेक शांतिधारा एवं अष्ट द्रव्यों से पूजा अर्चना के बाद कार्यक्रम में चातुर्मास समिति के मितेश लदाना एवं कमलेश चोधरी ने बताया कि भरी धर्म सभा में आज आर्यिका सुरम्य मति माताजी ने बताया कि जिनवाणी का श्रवण करने पर, पढ़ने पर, स्वाध्याय करने पर और एक बार नहीं निरंतर स्वाध्याय करने पर आपके जीवन में निश्चित तौर पर परिवर्तन होना प्रारंभ हो जाएगा संगति के बारे प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार किसी वस्तु के विज्ञापन का

अधिक प्रचार प्रसार होता है तो उस वस्तु को प्राप्त करने या उसे सेवन करने की इच्छा जागृत होती है उसी प्रकार जिनवाणी का बार-बार स्मरण और अध्ययन करने से वह हमारे जीवन में उतर जाती है ,जिन धर्म मिथ्यात्व को छोड़ने की राह दिखाता है और सच्चा देव देवाधिदेव को अपनाता है,शास्त्रों में कहा है सच्चा देव वही है जिसका ना कोई परिवार है, ना पिता, नहीं पुत्र ,भाई ,बहन ,कोई नहीं होता है वह वीतरागी होता है माताजी ने संगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संगति का अर्थ है संगत में रहना, यह हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि हम जिस संगत में रहते हैं उसका हमारे विचारों, भावनाओं और व्यवहार पर गहरा प्रभाव पड़ता है, अच्छी संगति हमें सकारात्मक दिशा में ले जाती है, जबकि बुरी संगति हमें गलत रास्ते पर ले जा सकती है। हमें कुसंगति को छोड़कर सुसंगती अपनानी चाहिए जैसी संगति होगी वैसी रंगती हो जाएगी , शराब की दुकान के पास खड़े होकर आप दूध भी पियोगे तो आपको शराब का सेवन किया हुआ माना जाएगा स्थान का विशेष महत्व है । वैसे ही जैसे चोरी करने वाले के साथ खड़े रहने पर भले ही आपने चोरी नहीं की हो लेकिन आपको चोर की दृष्टि से देखा जाएगा।

वेद ज्ञान

ईश्वर प्राप्ति के लिए ईश्वर का चिंतन करना चाहिए

प्रायः हम कहते हैं कि हमें ईश्वर प्राप्ति के लिए ईश्वर का चिंतन करना चाहिए। इस संदर्भ में सवाल यह उठता है कि हम उसका चिंतन कर भी कैसे सकते हैं, जिसके बारे में हमारा कोई अनुभव नहीं। वहीं जो लोग ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, वे सब सुनी-सुनाई बातें हैं, जिसे हम अपना ईश्वरीय ज्ञान मान लेते हैं, जो सरासर मूर्खता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं। मन ही सर्वाधिक तीव्रगामी है। विचार ही मन की शक्ति है, किंतु जहां मन की सीमा समाप्त होती है, वहां से परमात्मा की सीमा शुरू होती है, किंतु इसका आशय यह नहीं कि यहां क्षेत्र बंटे हुए हैं। इसका आशय मात्र इतना है कि जब मन यानी विचार थककर गिर जाते हैं, तब उस परमात्मा की अनुभूति होती है। विचार रूपी धूल झड़ गई, मन रूपी आईना स्वच्छ हो गया, तब हम उसे देख सकते हैं, जो सब में निहित है। विचारों की शक्ति कुल मिलाकर उस अंधे की लाठी के समान है, जिसके द्वारा हम सागर की थाह पाने की चेष्टा करते हैं, जो अंततः हमें तनावग्रस्त बना देते हैं। उपनिषदों में कहा गया है कि ईश्वर ने संपूर्ण सृष्टि की रचना की, सारी कर्मेंद्रियों का रुख बाहर की ओर रखा और स्वयं हमारे भीतर हमारी हृदय गुहा में छिप गया। अब चूंकि हमारी समस्त कर्मेंद्रियों के द्वार बाहर की ओर खुलते हैं और हमारी सारी उपलब्धियां बाहर प्राप्त होती हैं। इसलिए हम ईश्वर को भी बाहर पाना चाहते हैं। इस प्रकार ईश्वर की ओर हमारी पीठ हो जाया करती है और हम अपने भीतर दौड़कर उसे बाहर सब जगह तलाश करते हैं। इसी खोज में उससे दूर होते चले जाते हैं। शायद हमें यह ख्याल नहीं कि जो चीज हमारे जितना निकट होती है, उसके होने का आभास उतना ही क्षीण होता है। और उसका पता हमें तब चलता है, जब वह चीज हमसे दूर हो जाती है। हमने परमात्मा को स्वयं के भीतर होने का बोध खो दिया है। काश! हमने कभी परमात्मा को खोया होता तो कोई भी उसे खोज कर हमें दे देता, किंतु जब हमने उसे खोया ही नहीं तो उसे हमें कोई दे भी कैसे सकता है। उसकी खोज अंतस चेतना में ही करनी होगी। इस संदर्भ में यह बात भी याद रखें कि परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रबल रचनात्मक शक्ति है, जो अदृश्य है।

संपादकीय

स्वच्छता के लिए प्रयास आवश्यक...

किसी भी देश और समाज के विकास का एक जरूरी मानक यह भी है कि उसमें आम रिहाइश से लेकर सभी स्थानों पर स्वच्छता को सुनिश्चित करने को लेकर शासन कितना सक्रिय और सजग है और इसके प्रति आम लोग कितने जागरूक हैं। साफ-सफाई को लेकर नागरिक बोध एक निरंतरता में काम करता है, तभी कोई शहर एक मिसाल बन पाता है। इस लिहाज से देखें तो देश के स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में एक बार फिर इंदौर ने जिस

तरह आठवीं बार सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है, वह बाकी शहरों-महानगरों के लिए एक उदाहरण है कि सिर्फ व्यवस्थागत पहलू को दुरुस्त कर दिया जाए, तो न केवल इस मामले में सबसे आगे रहा जा सकता है, बल्कि ऐसी जगहों पर होने वाला विकास वास्तव में अपना महत्त्व स्थापित करता है। गौरतलब है कि इस वर्ष इंदौर को सुपर लीग में शामिल किया गया था। यानी इस श्रेणी में सिर्फ वही शहर शामिल थे, जो अब तक हुए सर्वेक्षणों में पहले, दूसरे या तीसरे स्थान पर रहे हैं। इस बार सुपर लीग की नई श्रेणी बनने के बावजूद इंदौर ने बाजी मारी। इसके अलावा, दस लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में गुजरात का अहमदबाद शहर पहले स्थान पर रहा। खास बात यह है कि स्वच्छता मानकों पर हर वर्ष इंदौर का नाम सुर्खियों में रहता आया है। मगर इस वर्ष इसके प्रतिस्पर्धी भी दिखने शुरू हो गए हैं और आबादी के मानक के मुताबिक बनाए गए अलग-अलग वर्गों के तहत भोपाल,

लखनऊ, मीरा भायंदर, विलासपुर, जमशेदपुर, देवास, करनाल जैसे कई अन्य शहरों ने भी स्वच्छ शहरों की सूची में अपनी जगह बनाई। निश्चित तौर पर स्वच्छता के विस्तार की कड़ियां स्वागतयोग्य हैं और देश की छवि के लिए यह अच्छा हैं, लेकिन ध्यान रखने की जरूरत है कि स्वच्छता सर्वेक्षण की सूची में स्थान बनाने के साथ-साथ इस मामले में निरंतरता कायम रहे। समस्या यह है कि सर्वेक्षण के मानकों पर किसी शहर को सबसे स्वच्छ बनाने की घोषणा तो कर दी जाती है, लेकिन किसी जगह अगर कचरा बिखरा पड़ा हो, गंदगी की सफाई को लेकर आम लोगों के भीतर कोई सजगता नहीं दिखे, नागरिक बोध का अभाव हो तो ऐसे में सवाल उठने स्वाभाविक हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

व्यापार समझौता

ऐसा लगने लगा है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता जल्दी हो सकता है। इसकी रूपरेखा क्या होगी और यह कैसे होगा, यह रहस्य अब भी बरकरार है। मगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि इंडोनेशिया की तर्ज पर भारत से व्यापार समझौता हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के बाजार उनके लिए पूरी तरह खुल जाएंगे। इन बातों का क्या अर्थ है, यह तो तभी पता चलेगा, जब समझौता सामने होगा, मगर इंडोनेशिया को देखें, तो वहां अमेरिका से जाने वाले माल पर कोई भी सीमा शुल्क नहीं लगेगा, जबकि इंडोनेशिया से अमेरिका को निर्यात होने वाले माल पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप ने यह भी बताया कि इंडोनेशिया अमेरिका से 15 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, यानी तेल गैस खरीदने को भी राजी हुआ है और 4.5 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद भी खरीदेगा। यही नहीं, वह बोइंग के 50 विमान भी खरीदेगा। अब अगर मान लें कि ट्रंप भारत के साथ भी ऐसा ही समझौता करने की सोच रहे हैं, तो क्या भारत अमेरिका को ऐसा ही खुला मैदान सौंप देगा ? हालांकि, यहां याद रखना चाहिए कि ट्रंप ने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस में नाम लेकर कहा था कि भारत में अमेरिकी उत्पादों पर 52 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जवाब में वह भारतीय उत्पादों पर सिर्फ 26 प्रतिशत शुल्क लगा रहे हैं। इसके पहले वह एलान कर चुके थे कि सभी देशों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क तो लगेगा ही और उसके ऊपर जवाबी शुल्क लगाया जाएगा, जिसकी दर सबके लिए अलग-अलग बताई गई। यानी, भारत पर कुल 26 प्रतिशत शुल्क लगना था। हालांकि, कुछ ही समय बाद उन्होंने रेसिप्रोकल, यानी जवाबी टैरिफ टालने का एलान किया और तब से वह एक के बाद दूसरे देश के साथ समझौते कर रहे हैं या फिर उनको चिट्ठियां भेजकर टैरिफ का एलान कर रहे हैं। बहुत से कूटनीतिज्ञ मानते हैं कि ऊंची दरों पर टैरिफ का एलान कर ट्रंप मोलभाव के लिए दबाव बना रहे हैं। जैसे-जैसे समझौते हो रहे हैं, वैसे-वैसे इस बात में दम भी दिख रहा है। बहरहाल, एक बात तो तय है कि समझौता जिन भी शर्तों पर होगा, भारत के लिए, खासकर व्यापार और उद्योग जगत के लिए यह अच्छी खबर होगी। उसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर ट्रंप और टैरिफ एक पतले धागे से टंगी तलवार की तरह लटक रहे हैं। इस चक्कर में भविष्य का खाका खींचना या कोई योजना बनाना लगभग असंभव हो गया है। कहा जाता है, अच्छी खबर आने में भले ही देर हो, बुरी खबर जितनी जल्दी मिल जाए, इंसान उतनी अच्छी तैयारी कर सकता है। इसीलिए अब भारत में भी लोग समझौते की शर्तों से ज्यादा इस डील के होने का इंतजार कर रहे हैं। यहां एक खास बात यह है कि अब ट्रंप प्रशासन भी इस मसले को जल्दी निपटाने के मूड में है। एक तो वह भारत जैसा बड़ा बाजार हाथ से जाने नहीं दे सकता। दूसरा, अब अमेरिका में टैरिफ का असर दिखने लगा है, यानी वहां महंगाई भड़क रही है। ऐसे में, अगर जल्द समझौते नहीं हुए, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर मंदी का संकट बढ़ सकता है। दूसरी तरफ, ताजा आंकड़े दिखा रहे हैं कि जून के महीने में भारत द्वारा अमेरिकी निर्यात में 23 प्रतिशत का उछाल आया है, जबकि अमेरिका से आयात में 10 फीसदी की गिरावट आई है। यह आंकड़ा देखकर भ्रम हो सकता है।

63वां दीक्षा दिवस 25 /07/25

साधु और श्रावक एक दूसरे के पूरक-श्वेतपिच्छाचार्य विद्या नन्द जी

चूलगिरी प्रणेता आचार्य रत्न श्री देश भूषण जी महाराज के महान तपोधनी शिष्य- आचार्य श्री विद्यानन्द जी मुनिराज

चूलगिरी (जयपुर). शाबाश इंडिया

प्रणेता आचार्य रत्न श्री देश भूषण जी महाराज से आचार्य पद प्राप्त सिद्धान्तचक्रवर्ती परमपूज्य आचार्यश्री विद्यानन्द जी मुनिराज ने कुन्दकुन्द भारती दिल्ली में आयोजित एक धर्म सभा को मोर पंख पर प्रतिबंध लगाये जाने पर सम्बोधित करते हुए 24 जुलाई, 2010 को कहा था कि- साधु और श्रावक एक दूसरे के पूरक हैं। निश्चय और व्यवहार धर्म यह दो अलग अलग हैं। अनेक महापुरुषों पर संकट आये हैं। भगवान आदिनाथ को भी अशुभ कर्मों ने नहीं छोड़ा और 6 महीने तक आहार की विधि नहीं मिली थी।

मुनि दीक्षा 25 जुलाई 1963

श्री सुरेन्द्र उपाध्ये का जन्म २२ अप्रैल १९२५ को कर्नाटक के शेडबाल में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री कल्लप्पा उपाध्ये और माता का नाम श्रीमती सरस्वती उपाध्ये था। प्रारम्भिक शिक्षा के बाद, उन्होंने १५ अप्रैल १९४६ को तमदड्डी, कर्नाटक में क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की। उनके क्षुल्लक दीक्षा गुरु परमपूज्य आचार्य श्री १०८ महावीरकीर्तिजी महाराज थे और क्षुल्लक दीक्षा के पश्चात उन्होंने मुनि दीक्षा २५ जुलाई १९६३ को दिल्ली में प्राप्त की। उनके मुनि दीक्षा गुरु परमपूज्य आचार्यरत्न श्री १०८ देशभूषणजी महाराज थे और मुनि दीक्षा के पश्चात उनका नाम मुनि श्री १०८ विद्यानंदजी महाराज रखा गया। उन्होंने उपाध्याय दीक्षा १७ नवम्बर १९७४ को दिल्ली में प्राप्त की। उनके उपाध्याय दीक्षा गुरु आचार्यरत्न श्री १०८ देशभूषणजी महाराज

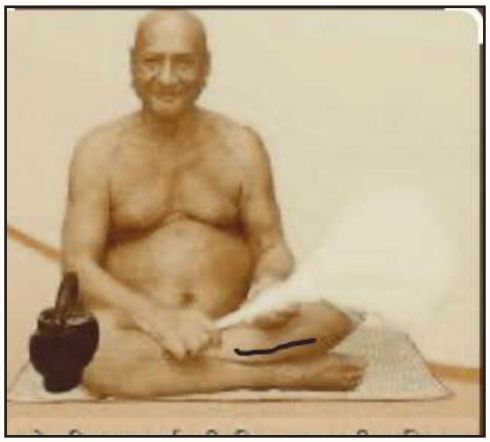

थें सिद्धान्तचक्रवर्ती उपाधि उन्हें ६ नवम्बर १९७९ को इन्दौर, मध्य प्रदेश में चतुः संघ द्वारा प्रदान की गई। आचार्य पदारोहण २८ जून १९८७ को दिल्ली में प्राप्त की और आचार्य पदारोहण के बाद उनका नाम आचार्य श्री १०८ विद्यानन्दजी महाराज रखा गया।

ग्रंथों का कन्नड़ से हिंदी-संस्कृत अनुवाद

प्रमुख विचारक ,दार्शनिक , संगीतकार , संपादक , संरक्षक , महान तपोधनी, ओजस्व वक्ता , प्रखर लेखक , शान्त मूर्ति , परोपकारी संत आचार्य विद्या नन्द जी कन्नड़ भाषा के बहुत से ग्रंथों का हिंदी व संस्कृत में अनुवाद कर साहित्य जगत में एक प्रतिष्ठित हस्ताक्षर बने ।

मयूर पंख पर प्रतिबंध पर विरोध

आचार्यश्री ने मयूर पंखों के प्रतिबंध वाले अध्यादेश के विरोध

में केन्द्र सरकार को पत्र लिखवा कर और पत्रों के साथ आगमों के अनेक प्रमाण, पुरातत्त्वों से प्राप्त अनेक चित्र आदि प्रामाणिक सामग्री भेजकर यह सिद्ध किया कि यह मयूर पंख धार्मिक चिह्न के रूप में मान्य हैं। अतः इस पर से प्रतिबंध हटाना ही उपयुक्त है क्योंकि किसी भी धार्मिक चिह्न पर प्रतिबन्ध लगाना असंवैधानिक है। केंद्र सरकार ने कालान्तर में मयूर पंख पर लगाए प्रतिबंध को वापस ले लिया था।

विदेश से आये श्वेत मोर पंख

लेकिन इधर मयूर पंख पर प्रतिबंध की सूचना विदेशों में रहने वाले जैन भक्तों को भी मिली, उन्होंने तत्काल वहाँ से श्वेत मयूर पंख भारत भिजवाये और उनसे निर्मित एक श्वेतपिच्छी तैयार की गई और विद्यानन्द जी श्वेत पिच्छी भेंट की गई ।और उसी समय वहाँ मोजूद पूज्य उपाध्याय श्री प्रज्ञसागर जी ने कहा कि अब आचार्यश्री जी का नाम श्वेतपिच्छाचार्य होगा। उपस्थित समुदाय ने उसकी अनुमोदना करते हुए श्वेतपिच्छाचार्य के अलंकरण के साथ जयघोष का उच्चारण किया। राष्ट्र सन्त , सिद्धांत चक्रवृत्ति , श्वेतपिच्छाचार्य आचार्य श्री विद्यानंदजी मुनिराज की 94 वर्ष की अवस्था में 22 सितम्बर 2019 गुरुवार को दिल्ली में संल्लेखनापूर्वक समाधि हुई और उस समय मोजूद प्रिय शिष्य प्राकृत भाषा चक्रवर्ती , वात्सल्य रत्नाकर ,आचार्य श्री वसुनन्दी जी मुनिराज के अनुसार इसके साथ ही एक युग का अंत हो गया।

सभी गुरुजनों के चरण वंदन :-
पदम जैन बिलाला
जनकपुरी - ज्योतिनगर , जयपुर

भगवान के अभिषेक कर आप आत्मा पर लगे कर्म रूपी मेल को दूर कर सकते हैं: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

टोंक. शाबाश इंडिया

णमोकार मंत्र बहुत बड़ी निधि है। इस निधि की सुरक्षा आत्मा रूपी तिजोरी में धारण करके करें, तब जीवन में मंगल होगा । णमोकार मंत्र अनादिनिधन है जो अनंत काल तक चलेगा, इस मंत्र को मामूली या तुच्छ नहीं समझे णमोकार मंत्र शक्तिशाली मंत्र है। जीवन में प्रयोग , धारण कर जीवन को सार्थक करने का पुरुषार्थ करें। यह मंगल देशना वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने टोंक की धर्म सभा में प्रकट की। राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि भगवान का प्रतिदिन सर्वांग अभिषेक होना चाहिए क्योंकि अभिषेक गुणों को धारण करने तथा स्वयं की आत्मा पर लगे कर्म रूपी मेंल को दूर करने के लिए किया जाता है भगवान को गीले कपड़े से अथवा सूखे कपड़े से मार्जन करना ठीक नहीं है। सभी जीव जीवन में मंगल और सुख चाहते हैं, मोक्ष जाना चाहते हैं उसके लिए दीक्षा वैराग्य धारण करना जरूरी है। दूषित खानपान से स्वास्थ्य खराब होता है स्वास्थ्य ठीक होने पर ही आप धर्म ध्यान मन की निर्मलता सहित कर सकते हैं। रोगी होने पर आप वैद्य डॉक्टर से दवाई लेकर विधिपूर्वक उपचार करा कर ठीक होते हैं उसी प्रकार आत्मा पर लगे कर्म रूपी रोग धर्म भगवान के दर्शन, अभिषेक , पूजन आदि क्रियायो से ठीक हो सकते हैं। डॉक्टर की भांति आपको देव शास्त्र गुरु

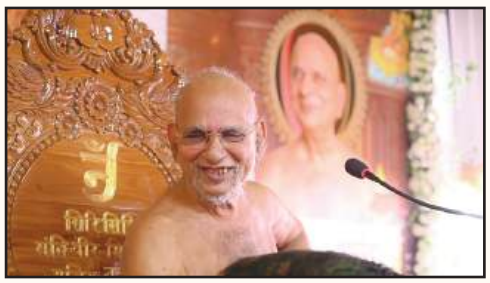

पर भी श्रद्धा और भरोसा रखना होगा। आचार्य श्री ने आगे बताया कि अर्जुन सुभद्रा अभिमन्यु की कहानी के माध्यम से गर्भ में बातचीत और संस्कार का प्रभाव पड़ता है। पुणे के डॉक्टर कल्याण गंगवाल जब गर्भ में थे तब उनकी माता को आचार्य श्री शांति सागर जी ने रात्रि भोजन त्याग का नियम दिया था जिसे आज 80 वर्षीय डॉक्टर कल्याण गंगवाल अभी तक निभा रहे हैं। इसलिए बालकों को बचपन से संस्कारित करना बहुत जरूरी है। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिकाश्री देशनामति माताजी का प्रवचन हुआ। आचार्य श्री संघ के आहार के चौके लगाने के लिए बाहर के नगरों से काफी भक्त पधार रहे हैं टोंक सहित इंदौर पारसोला निवाई के चौके लगे हैं इंदौर के स्पर्श समर कंठाली परिवार इंदौर को आज आचार्य श्री और आर्यिका श्री महायशमति माताजी के आहार कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

समाज के धर्म प्रचारक प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार अनुसार धर्म सभा में श्रीजी और पूवार्चार्य का चित्र का अनावरण दीप प्रवज्जलन ऋषभ कुमार,मयूर कुमार पचोरी परिवार पारसोला, आदेश जैन घाटलिया पारसोला एवं एंजे दाखिया द्वारा किया जाकर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की इस मौके पर झाड़ोल से पधारे कलाकार भाई गोरधन के भक्तिमय भजनों पर बड़े भक्ति भाव से भक्ति नृत्य करते हुए श्रद्धालुओं अष्टद्रव्य समर्पित किया । सुनील सर्राफ ने पूजन व्यवस्था में सहयोग किया। इस मौके पर आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने सभी श्रावकों को तली वस्तुओं का त्याग देकर नियम दिलाया। विशेष - 27 जुलाई 2025 को होने वाली शांति समागम राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठी की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है ।जिसमें देश के सभी पत्रकार आयेंगे।

श्री चन्द्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, सेक्टर 10, मालवीय नगर के चुनाव सम्पन्न

हरक चंद जैन को निर्विरोध अध्यक्ष बने

जयपुर। श्री चन्द्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर , सेक्टर 10, मालवीय नगर के चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी अजीत बडजात्या ने बताया की श्री चन्द्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर , सेक्टर 10, मालवीय नगर के चुनाव में हरक चंद जैन को निर्विरोध अध्यक्ष पद पर चुना गया। हरक चंद जैन 19 साल से अध्यक्ष पद पर हैं और पुनः 3 वर्ष के लिए अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए । मंत्री पद पर रामपाल जैन व कोषाध्यक्ष पद पर पीयूष सिंघी चुने गए। अध्यक्ष हरक चंद जैन ने बताया कि जैन समाज के सभी लोगो के साथ मंदिर जी के विकास ओर उत्थान के कार्यों में और तेजी से कार्य किया जाएगा। ज्यादा से ज्यादा लोग, महिलाएं , व बच्चे मंदिर जी से जुड़े ये हमारा उद्देश्य रहेगा। उत्तम पांड्या, अकलंक जैन, नीरज लुहाड़िया, मानक, पीयूष, मनीष,सुमेर जैन, अभिषेक,पवन , महेंद्र, अनिल जैन व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा गौशाला में सेवा कार्य किया

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल केंद्र खेरवाड़ा द्वारा स्थानीय श्री राम गौशाला में सेवा प्रकल्प के तहत गौधन को पोस्टिक आहार उपलब्ध कराने 31 किलो दलिया एवं 31 किलो गुड गौशाला संचालन समिति के अध्यक्ष शंकर लाल पंचाल एवं गौशाला संचालक महाराज राजू गिरी को सुपुर्द किया। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में गौशाला में कुल 25 गौधन उपलब्ध है। गौशाला समिति द्वारा जन सहयोग से गौशाला की देखरेख, सुरक्षा एवं रखरखाव विगत कई वर्षों से किया जा रहा है। केंद्र के उपाध्यक्ष पुष्कर जैन ने बताया कि उक्त सामग्री बद्री नारायण एंड ब्रदर्स फर्म के मालिक बद्री नारायण कलाल के सौजन्य से एमआई को उपलब्ध कराई गई। सचिव जितेंद्र जैन बताया कि इस अवसर पर केंद्र अध्यक्ष मुकेश कलाल, संरक्षक दिनेश जैन, पूर्व अध्यक्ष बसंत जैन, पूर्व सचिव नरेश अग्रवाल एवं कमल प्रकाश जैन, संयुक्त सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष अल्पेश जैन,सदस्य अर्जुन लाल पंचाल, किशोर दवे, टीना आदि उपस्थित रहे।

पद्मश्री रोनू मजूमदार का बांसुरी वादन का कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्पिक मैके की ओर से दिनाक 21/7/2025 को भारतीय विद्या भवन विद्या आश्रम विद्यालय के एम मुंशी मार्ग में बांसुरी वादक पद्म श्री रोनू मजूमदार जी का बांसुरी वादन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे उन्होंने राग रामदासी मल्हार मे बंदिश प्रस्तुत की ,सुर दासी मल्हार मे ,बरखा ऋतु बैरी हमारी , बंदिश को द्रुत लय में प्रस्तुत किया इसके अतिरिक्त भजन, माँड़ केसरिया बालमऔर राग देश में वंदेमातरम गीत प्रस्तुत किया,इसके उपरांत विद्यार्थियों से संवाद भी किया,और उन्हें संगीत और बाँसुरी से जुड़ी जानकारी दी ,आपके साथ तबले पर रोहित दवे ने संगत की ,बांसुरी पर आप का साथ दिया आपके शिष्य कल्पेश मानकलाल ने। कलाकारो का स्वागत डायरेक्टर आर सी जैन , भानावत जी मेम्बर ऑफ एडवाइजर कमेटी और प्राचार्य प्रीति सांगवान ने ग्रीन ट्रे देकर किया,कार्यक्रम के अंत में कलाकारो को शाल एव श्री फल भेट किए गए।

जेसजी प्लेटिनम की नैसर्गिक पिकनिक ऋषभदेव में आयोजित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने बताया कि रविवार को ग्रुप के 62 पुरुष सदस्यों की नैसर्गिक पिकनिक का आयोजन ऋषभदेव में इमलियाचौड़ हनुमान जी मंदिर मे सम्पन्न हुआ । अध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि उदयपुर से बस द्वारा यात्रा प्रारंभ कर भगवान ऋषभदेव जी के दर्शन करने के लिए पहुंचे, दर्शन पश्चात सभी सदस्य इमलियाचौड़ हनुमान जी पहुचे वहाँ दर्शन पश्चात नाश्ता कर सभी ने नैसर्गिक, सुरम्य प्रकृति की गोद मे कल कल बहती नदी में सुहावने मौसम में मानसून पिकनिक का आनंद लिया गया। तत्पश्चात सभी ने गेम्स का, खूबसूरत वादियों की फोटोग्राफी का भरपूर आनंद लिया फिर हनुमान जी को भोग चढ़ा कर आरती की गई व स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेकर उदयपुर प्रस्थान किया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत, अध्यक्ष पंकज जैन, निवर्तमान अध्यक्ष विपिन जैन, पूर्व अध्यक्ष प्रीतेश जैन, मुकेश चपलोत, आशीष रत्नावत, इलेक्ट प्रेसिडेंट तनुजय किकावत, उपाध्यक्ष सुमित खाब्या, सहसचिव राहुल जैन, कोषाध्यक्ष हेमेंद्र जैन, पीआरओ एडमिन गीतेश जैन, पीआरओ ग्रीटिंग्स पंकज सुराणा सहित कार्यकारिणी सदस्य सहित कुल 62 सदस्य उपस्तिथ रहे । आभार सहसचिव राहुल अखावत द्वारा दिया गया ।

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा जीवन रक्षक किट का वितरण

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा जिला बांसवाड़ा। सब की सेवा सबको प्यार महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों के रूप में आज महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा राजकीय सीनियर माध्यमिक विद्यालय जलदा में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमती कल्पना गामोट महावीर इंटरनेशनल शाखा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, वरिष्ठ अध्यापक अशोक पांचाल, शाखा के सदस्य जगजी कटारा, शाखा की सचिव कैलाश पंचोरी, खुशबू जैन शारीरिक शिक्षक धन्नालाल खाट, नरेश जोशी मुकेश पटेल आदि के सानिध्य में जीवन रक्षक किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि संपूर्ण भारतवर्ष में महावीर इंटरनेशनल की ओर से लाइफ सेविंग किट का निशुल्क वितरण किया जा रहा है इस किट में तीन प्रकार की गोलियां रखी गई है जब भी ऐसा लगे की घबराहट हो रही है पसीना पसीना हो रहा है दाहिनी और सीने में दर्द हो रहा हो ऐसे लक्षण देखने पर इस प्रकार की गोली का सेवन करने से हार्ट अटैक होने पर प्राथमिक उपचार के रूप में यहां काम आ सकती है आजकल हमारे खानपान से छोटे से लगाकर बाद तक कभी भी अटैक आ सकता है इन परिस्थितियों में इस प्रकार का लाइफ सेविंग किट रखने से किसी का जीवन बच सकता है इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कल्पना जी ने कहा कि महावीर इंटरनेशनल के इस प्रकार के कार्य बहुत सराहनीय एक छोटे से कदम से किसी का जीवनदान मिलता है तो पुण्य का कार्य है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वात्सल्य कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ''वात्सल्य'' का पूल पार्टी का कार्यक्रम दिनाक 20 जुलाई 2025 को हिल साइड रिसोर्ट मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अनुसार ग्रुप के सदस्य कार्यक्रम स्थल पर दोपहर 1:00 बजे पहुंचे। वहां पहुंचने पर कार्यक्रम संयोजक अशोक -सुशीला कासलीवाल , अजीत -ऊषा लुहाड़िया ने सभी आगंतुक सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का प्रारंभ भक्तामर स्त्रोत के 26 वे काव्य व णमोकार मंत्र का वाचन से किया गया। कार्यक्रम के सर्वप्रथम ग्रुप अध्यक्ष अनिल टोंग्या ने सभी ग्रुप दंपत्ति का कार्यक्रम मे आने के लिए धन्यबाद एवं आभार ब्यक्त किया । इसके पश्चात कार्यक्रम संयोजकों द्वारा पिछले कार्यक्रम 30 मार्च से जुलाई 20 के मध्य में आने वाली दम्पत्ति सदस्यों की वैवाहिक वर्षगांठ के लिए दंपत्ति सदस्यों का माल्यार्पण एवं

साफा लगाकर एवं संगीत के साथ ज शादी की वर्षगांठ से संबंधित गाने गाकर मनोरंजन किया।गाने में संयोजकों का सहयोग ग्रुप के महामंत्री श्रीमती रेखा झांझरी द्वारा किया गया। इसी बीच सभी दंपत्ति सदस्यों ने गरम गरम पकोड़ी एवं चाय कॉफी का आनन्द लिया। इसके तुरंत पश्चात कार्यक्रम सयोजकों द्वारा सभी दम्पत्ति सदस्यों को रोचक हाउजी खिलाई गयी। बीच बीच मे संयोजकों द्वारा दम्पत्ति सददयों का चुटकुला सुना कर मनोरंजन किया। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने 4 बजे से 5 बजे तक तरण ताल वाद्य रेन डांस का खूब आनंद लिया। पूल पर ही सभी दम्पति सदस्यों ने भुटटों का आनंद लिया। पूल पार्टी के पश्चात सभी ने शाम को सभी ने स्वादिष्ट वात्सल्य भोज का आनंद लिया। ग्रुप के अध्यक्ष अनिल टोंग्या एवं संस्थापक अध्यक्ष सुरेश लुहाड़िया द्वारा हिल साइड रिसोर्ट के मालिक रोहित का सम्मान किया एवं व्यवस्थापकों द्वारा ऐसी अच्छी व्यवस्था के लिए एवं संयोजको द्वारा मनोरंजन एवं खेलकूद कार्यक्रम के लिए धन्यबाद दिया। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष अनिल टोंग्या, श्रीमती बीना टोंग्या ने आगामी प्रस्तावित धार्मिक यात्रा के संबंध में सदस्यों से अनौपचारिक वार्ता की । अंत में ग्रुप के महामंत्री श्रीमती रेखा झाँझरी,अनिल झांझरी द्वारा कार्यक्रम के दोनों संयोजकों को अच्छे एवं व्यवस्थित कार्यक्रम के लिए बधाई दी गयी।

प्रकृति और स्वास्थ्य का सुंदर संगम

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर ने किया ट्रैकिंग एवं स्वास्थ्य परिचर्चा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रकृति और स्वास्थ्य, एक-दूसरे के पूरक हैं, इस भाव को साकार करते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर द्वारा रविवार को एक विशेष दो-चरणीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रातःकालीन ट्रैकिंग और सायंकालीन स्वास्थ्य परिचर्चा को सम्मिलित किया गया। ग्रुप सचिव एवं ट्रैकिंग संयोजक पंकज-कशिश जैन ने बताया कि सुबह 5:30 बजे मुरलीपुरा से ग्रुप के 30 सदस्य कारों के माध्यम से नाहरगढ़ क्षेत्र (जलमहल के पीछे) पहुंचे, जहां से लगभग 5 किलोमीटर की पैदल ट्रैकिंग आरंभ हुई। वर्षा ऋतु में प्रकृति की हरियाली और ताजगी ने सभी को अभिभूत कर दिया। चरण मंदिर, नाहरगढ़ फोर्ट और सनराइज व्यू पॉइंट जैसे रमणीय स्थलों पर सदस्यों ने मनोहारी दृश्यावलियों का आनंद लिया और अनेक अविस्मरणीय पल मोबाइल कैमरों में कैद किए। ग्रुप अध्यक्ष नीरज जैन ने बताया कि ट्रैकिंग के बाद सभी सदस्य अन्नपूर्णा रेस्टोरेंट पहुंचे, जहां उन्होंने सामूहिक अल्पाहार और प्रसिद्ध गुलाब जी की चाय का आनंद लिया। दूसरे सत्र में, सायं 5:30 से रात्रि 9:30 बजे तक, मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर में हृदय एवं त्वचा संबंधी स्वास्थ्य विषयों पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत सुरुचिपूर्ण भोजन से हुई। इसके पश्चात डॉ. अंशुल गुप्ता (हृदय रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. पारुल (प्लास्टिक सर्जन) ने हृदय व त्वचा रोगों से संबंधित उपयोगी जानकारियां दीं। परिचर्चा के बाद सभी सदस्यों ने मनोरंजक तंबोला गेम का आनंद उठाया। कार्यक्रम के अंत में रेखा जैन को नारी सशक्तिकरण एवं महिला रोजगार क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मणिपाल हॉस्पिटल की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के निवर्तमान अध्यक्ष राजेश-सीमा बड़जात्या एवं भा.ज.पा. महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष श्रीमती ममता शर्मा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। ग्रुप अध्यक्ष नीरज जैन ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का हृदय से आभार एवं धन्यवाद प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वाटर कूलर लगाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। कमलाबाई चेरिटेबल ट्रस्ट पिछले 9 बसों से सामाजिक हित में निरन्तर कार्य करती आ रही हैं। आज दिनांक 19 जुलाई , शनिवार को संस्था के संस्थापक सुनील शर्मा द्वारा पौधारोपण अभियान के अन्तर्गत मयूर पार्क, मिल्ट्री एरिया, खातीपुरा में पीपल ,बरगद, जामुन आदि पौधे लगाए गए।साथ ही संस्था द्वारा मयूर पार्क में सैर करने आने वाले लोगों की सुविधा के लिए वाटर कूलर भी लगाया गया है। जिसका शुभारंभ पूर्व राज्य मंत्री गोपाल केशावत के कर कमलों द्वारा किया गया। श्याम बिहारी, गौरव राज जंडल, धर्मेंद्र आलोरिया, शिव मीणा,व संस्था के समस्त पदाधिकारी भी इस शुभारंभ के साक्षी रहे। सभी ने साथ मिलकर इस पुनीत कार्य में सहयोग दिया इससे पार्क में आने वाले लोगों को शुद्ध, शीतल जल पीने के लिए मिलता रहेगा।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

एक ने कहा - एक ने सहा,,तब तक ही सब कुछ सही रहा..अन्यथः तर्क-कुतर्क, वाद-विवाद में जीवन गुजर गया..! इसलिए संवाद में समाधान है,, और तर्क-कुतर्क में, जीवन नर्क है। तर्क-कुतर्क से ना कभी संवाद हुआ है, ना समाधान मिला है। तर्क-कुतर्क का मतलब है -- ना हम सुनना चाहते हैं, और ना समझना चाहते हैं। संवाद का अर्थ है -- समझदारों से बातचीत करना। क्योंकि संवाद दो ज्ञानियों के बीच में होता है, जिसका निष्कर्ष और समाधान भी निकलता है, लेकिन तर्क-कुतर्क, और वाद-विवाद दो बुद्धि जीवीयों के अहंकार का टकराव है। संवाद का अर्थ है दो हृदयों की बातचीत।विवाद का अर्थ है - दो अहंकारियों का टकराव।संवाद का अर्थ है - समाधान के लक्ष्य को पाना। तर्क और विवाद का अर्थ है - दो व्यक्तियो में टकराव या संघर्ष।संवाद में कोई हारता नहीं है, और तर्क और विवाद में कोई जीतता नहीं है। दोनो हार जाते हैं, इसलिए -- स्त्री तब तक हार नहीं मानती है, जब तक पति उसे सोने का हार ना दे..! अंतर्मना गुरुदेव प्रसन्न सागरजी महाराज ससंघ श्रीतरुणसागरम् तीर्थ (जैन मंदिर) बसंतपुर ,सैंतली, मुरादनगर, गाजियाबाद उत्तरप्रदेश में विराजमान है विगत कई वर्षों से निरंतर चल रही प्रतिदिन प्रातः पूजन दीप आराधना हुई संपन्न हुई जिसमे बड़ी संख्या में भक्तो ने पूजन का लाभ प्राप्त किया। साधना के शिरोमणि अंतर्मना गुरुदेव के मुखरविन्द से संपन्न हुई अभिषेक शांतिधारा।दोपहरी भीषण गर्मी में साधना शिरोमणि अंतर्मना गुरुदेव प्रतिदिन 1 घंटे करते है खुले में सामायिक संध की आहारचयाअंतर्मना गुरुदेव आचार्य श्री108 प्रसन्न सागरजी महाराजजी का दो उपवास का पारणा ओर सोम्यमूर्ति उपाध्याय पियूष सागर जी महाराज ओर क्षुल्लिका वचन प्रभा माताजी के चल त्रिलोक सार व्रत्त के दो उपवास के पारणा सान्नद सम्पन्न हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

निजानंद ज्ञानामृत विशुद्धमय वर्षायोग मंगल कलशो की शोभा यात्रा निकली

जहां गुरुओं का चातुर्मास होता है वह स्थान मंगलमयी बन जाता है

सनावद. शाबाश इंडिया

परम पूज्य तप शिरोमणि उपाध्याय मुनि श्री विश्वसूर्य सागर महाराज एवं वात्सल्य ऋषि पूज्य मुनि श्री साध्यसागर जी महाराज के निजानंद ज्ञानामृत विशुद्धमय वर्षायोग चातुर्मास स्थापना के भव्य मंगल कलशों की शोभायात्रा प्रमुख मार्गों से रविवार को प्रातः 6 बजे श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्री जी के जलाभिषेक पूजा-पाठ के बाद श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से 8:30 बजे मुनि द्वय के सानिध्य में निकाली गई। बैंडबाजे में सुमधुर जैन भजनों की मधुर ध्वनि के बीच एक बग्घी में मुख्य कलशों को रखकर तथा अन्य कलशों को श्वेत वस्त्रों में पुरुष तथा पीले परिधान में महिलायें मंगल कलश लेकर चल रही थी। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह मुनि द्वय का पाद प्रच्छालन किया। एमजी रोड, भवानी मार्ग, मोरटक्का चौराहा, बस स्टैंड,रेलवे स्टेशन होती हुई कलश यात्रा समारोह स्थल पर संपन्न हुई। पुनासा रोड समारोह स्थल पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पूज्य मुनि श्री विश्वसूर्य सागर महाराज ने सनावद को त्यागियों की नगरी बताते हुए कहा कि जो नियमित गुरुओं के दर्शन करते हैं उनके पुण्य की वृद्धि होती रहती है। आपके नगर में कलश स्थापना हो रही है इसमें चंचला लक्ष्मी का उपयोग कर कलश स्थापित कर आचार्य वर्धमान सागर की नगरी में भगवान महावीर स्वामी की दिव्या देशना की प्रभावना में सहभागी बनें। जहाँ गुरुओं का चातुर्मास होता है वह स्थान मंगलमय हो जाता है। वहाँ ज्ञान की वृद्धि होती है। यदि जीवन को मंगलमय बनाकर आत्मा को परमात्मा बनाना है तो चतुर्मास का सम्यक उपयोग करें। पूज्य मुनि श्री साध्यसागर महाराज ने भगवान जिनेंद्र देव की वाणी का रसपान करने को जीवन में आत्महित के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति धन का सदुपयोग कर चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना करते हैं उनके समक्ष कभी संकट नहीं आता। देव, शास्त्र, गुरु के प्रति भक्ति और मंगल कलश की स्थापना पुण्यात्मा करते हैं। सनावद में चातुर्मास करने की प्रेरणा अप्रत्यक्ष में मुझे सन्मार्ग दिवाकर आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज की प्रेरणा से पारसोला में मिली थी। धन्य है वे महिलायें जो आज मंगल कलश लेकर पुण्यार्जन में सहभागी बनी हैं। उपरोक्त जानकारी देते हुए पार्श्व ज्योति मंच के अध्यक्ष डॉ नरेन्द्र जैन भारती, मुनि त्यागी वैयावृत्ति समिति के अध्यक्ष मुकेश जैन एवं प्रशांत जैन ने बताया कि दोपहर 2:00 बजे से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में शास्त्रीय मंगलाचरण डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने, संगीतमय प्रस्तुति चेतना गोधा, शिवानी, शैली, अंजली, अक्षता, अनाया, श्रावी, अंशुमा, पूर्णिमा, द्वीप प्रज्वलन प्रद्युम्न गौरव जैन आदि ने किया। मुनि द्वय का पाद प्रच्छालन दिनेश शिरोमणि जैन, तथा शास्त्र भेंट अविनाश उत्तम चंद जैन ने किया। संगीत की मधुर ध्वनि के बीच आचार्य को अर्घ्य समर्पित किये गये। प्रथम कलश राजकुमारी लेखमाला मुकेश जैन परिवार , द्वितीय कलश चंचला पवन जैन कातोरा परिवार, तृतीय कलश लोकेंद्र जैन नकुल जैन परिवार को प्राप्त हुआ। अन्य कलश भी श्रद्धालुओं ने निर्धारित राशि देकर ग्रहण किये। इस मौके पर समाज अध्यक्ष मनोज जैन, अरविंद जैन, हेमचंद्र पाटोदी, अनुभव जैन, पवन गोधा, बसंत पंचोलिया, प्रदीप पंचोलिया, कमलेश भूच, लवीश पाटनी, सुनील पंचोलिया, सोनू जैन, धीरेंद्र बाकलीवाल, निलेश बाकलीवाल, सुनील के जैन, वीरेंद्र बाबा, प्रियम जैन, राहुल स्वस्तिक, भानु जैन, अचिंत्य जैन, सत्येंद्र जैन, राकेश जैन, निमिष जैन, आशीष जैन, नरेंद्र पंचोलिया, रिंकेश जैन, मंजुला भूच, रेखा भूच, चेतना गोधा, सारिका जैन, गरिमा जैन, प्रज्ञा धनोते, प्रियंका मुंशी,प्रिया जैन, वीनस जैन, अप्सरा जटाले, महिमा जैन, वर्षा जैन, पद्मा जैन सहित अनेक समाज जन मौजूद थे। वात्सल्य भोज पवन कुमार, विनीष कुमार, यश गोधा द्वारा दिया गया।

किसी वस्तु के प्रति राग बढ़ जाने पर उसे पाने की चाह उमड़ पड़ती है: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

चारों ओर से उमड़ रहा है भक्ति का सैलाब

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जब कोई वस्तु आप को अच्छी लगे तो उसके प्रति राग बड़ जाता है उसे पाने के लिए किसी भी हद तक उतर जाता है वह बहुत चाह कर भी प्राप्त नहीं कर पता वह उसके नेचर को समझ नहीं हमने हवाओं के रूख को नहीं समझा हमें पेड़ से फल मिले हमने खायें आनंद मनाया लेकिन उनसे नहीं पूछा कि हम उसके फल ले ले। संसार को सबकों जानों कोई वस्तू अच्छी है कोई सुन्दर रूप मिला है उसने पूर्व भव में भगवान की भक्ति इतनी भक्ति की उसे ऐसा सुन्दर ये शरीर मिला उन्होंने कहा कि आकर्षिक करना और आकर्षक होने में बहुत अंतर है उक्त आश्य के उद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

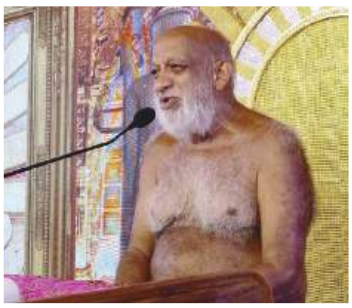

स्वस्थ मुद्राओ पर होगी प्रतियोगिता सुधा का सागर महाग्रंथ पर परीक्षा का हुआ आयोजन

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव को आपके स्वास्थ्य की भी चिंता है आप स्वस्थ रहें निरोग हो इसके लिए विभिन्न स्वस्थ मुद्राओ का ध्यान किया जाता है इन स्वस्थ मुद्राओ के माध्यम से असाध्य बीमारियो से वचा जा सकता है इसके लिए एक स्वस्थ मुद्राओ से युक्त पुस्तक का विमोचन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद दारा किया गया जिसमें सभी मुद्रा ओ को दशार्या गया है इस पर आने वाले रविवार को दोपहर डेढ़ बजे से एक लिखित प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को दो वर्गों में बांट गया है पन्द्रह बरस से कम और ऊपर वाले को दुसरी श्रेणी में रखा गया है सभी विजेताओं को कमेटी द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

भक्त और सेवक में बहुत अंतर है भक्ति अंदर से उमड़ती है

उन्होंने कहा कि भक्त में और सेवक में बहुत अंतर है सेवक को काम करना पड़ रहा है उसे सेठ की आज्ञा का पालन करना ही होगा अन्यथा उसकी सेवा समाप्त होने का खतरा वना रहता है वहीं भक्त अपना अहो भाग्य मानकर भक्ति कर उसे सौभाग्य प्राप्त हुआ भक्त की कोई चाह नहीं होती वह तो श्रद्धा समर्पण के साथ भक्ति में समर्पित हो जाता है एक सेवक पाप के उदय में मजवूरी में सेवा कर रहा है किसी व्यक्ति के पाप का उदय की बह मजवूरी में दुसरे के यहां नौकरी कर रहा है किसी मां की मजवूरी है कि वह आपके घर में रोटी वना रही है वह आपके घर रोटी वनना नहीं चाहती लेकिन ऐसा नहीं करेगी तो वच्चे भूखे रहेंगे एक सेठ का जन्म दिन है और वह ढेरों पकवान बनाकर जव घर लोटती है बेटा पुछता है मां इतनी देर से क्यों आईं कारण जानकर निराश हो जाता है क्योंकि मां भी वही सुखी रोटी लाइ है अरे हम नौकरी को भी उस रोटी वनने वाली मां को भी कुछ पकवान रख देते तो कुछ कम नहीं होता हमें अपने आसपास के लोगों को खुश रखना चाहिए सेवकों को जो आप खाते है वहीं उसे भी खिलाना।नौकर ने वनाया है उसे भी खिला दिया करो। उन्होंने कहा कि किसी के पापकर्म के उदय पर मजवूरी पर उसके पाप कर्म के उदय पर आप सुख भोगते हैं वहीं श्रावक अहो भाग्य मानकर साधु को आहार करता है साधु अपने लिए कुछ भी नहीं देता फिर भी आप अपना सौभाग्य समझते है साधु किसी को दास नहीं वनाता दूसरे को दास वनने वालो का पुण्य बहुत जल्दी छय हो जाता है जैन दर्शन में साधु अपने शिष्यों को भी आदेश नहीं दे सकता मुझे कोई वस्तु लाओ ऐसा किया तो वह दास कह लायेगा यहां तक कि हम अपने शिष्य मुनि राज गुरु महाराज अधिकार पूर्वक कमंडलू भी नहीं उठवा सकते तुम्हारे लिए जो चीज चाहिए उसे नहीं मांग सकते साधू की अयाचक ब्रति है मजवूरी में लेना पड़े तो प्राश्चित लेना पड़ेगा उन्होंने कहा कि रिषभ देव छः महीने आठ दिन निकले लेकिन मांग नहीं उनके लिए सब कुछ दिया जा रहा था उन्होंने सुईकार नहीं किया साधु नौकर के हाथ से कुछ भी नहीं लें सकता।

ज्ञान से ही समस्याओं का समाधान संभव : युवाचार्य महेन्द्र ऋषि जी

पनवेल. शाबाश इंडिया

आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी महाराज की जन्मजयंती के पंचम दिवस पर सोमवार को जैन स्थानक मे आयोजित प्रवचन सभा में श्रमणसंघीय युवाचार्य प्रवर महेन्द्र ऋषि जी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन की समस्याओं और झगड़ों का मूल कारण अज्ञान है। इनका समाधान केवल ज्ञान से ही संभव है। ज्ञान के अभाव में मनुष्य उलझनों में फँस जाता है और जीवन की समस्याओं का समाधान नहीं खोज पाता। उन्होंने कहा जिस प्रकार रात्रि लौटकर नहीं आती, समय लौटकर नहीं आता और यह जीवन भी दोबारा नहीं मिलता। इसे झगड़ों, राग और द्वेष में व्यर्थ नहीं करना चाहिए। युवाचार्य प्रवर ने भगवान ऋषभदेव के अंतिम देशना का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब उनके 98वें पुत्र ने अपनी समस्या भगवान के समक्ष रखी, तब भगवान ने उन्हें समझाया कि समस्याओं की जड़ को पहचानो और अपने कर्मों को सुधारो। इसी तरह आचार्य आनंद ऋषि जी महाराज ने हमें बाल्यावस्था में शिक्षा दी कि झगड़े में समय न गवाओ, ज्ञान प्राप्त करो। उन्होंने कहा कि लोग अपने नाम और प्रतिष्ठा के लिए लाखों रुपये खर्च कर देते हैं, लेकिन ज्ञान प्राप्त करने और ज्ञानियों का सम्मान करने में पीछे रह जाते हैं। यह प्रवृत्ति त्यागनी होगी। युवाचार्यश्री ने बताया कि गुरुदेव आनंद ऋषि जी महाराज ने समस्याओं का समाधान पूछने वालों से कहा था झगड़े में मत पड़ो। जो भाग्य में लिखा है, उसे कोई छीन नहीं सकता। झगड़ा प्रेम को नहीं बढ़ाता, बल्कि कटुता को जन्म देता है। पुण्य प्रबल होगा तो मिट्टी भी सोना बन जाएगी। और यही सत्य हुआ। उन्होंने आगे कहा कि झगड़े प्रायः तीन चीजों के कारण होते हैं झर, जमीन और जोरू। यही हमारे प्रेम और शांति को नष्ट कर देते हैं। ऐसे झगड़ालु स्वभाव के लोगों से दूर रहना चाहिए। संसार में जो झगड़े होते हैं, वे जमीन और संपत्ति के कारण ही होते हैं और इससे परिवार, समाज और संसार में केवल द्वेष, कलह, समस्याएं और अशांति फैलती है। युवाचार्यश्री ने कहा मन को राग-द्वेष से मुक्त कर दो। अनंत बार हमने जन्म लिया है। अब मन को खराब मत करो। राग-द्वेष जोड़ने से समाधान नहीं होगा। मुक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ना है तो ज्ञान के मार्ग को अपनाओ। उन्होंने समझाया पत्तों को सींचने से पेड़ नहीं बढ़ता, बल्कि जड़ को सींचना पड़ता है। उसी तरह समस्याओं की भी जड़ में जाकर समाधान खोजना चाहिए। केवल ऊपर-ऊपर से समाधान ढूँढने से समस्याएँ समाप्त नहीं होंगी। कर्मों को सुधारना होगा। जितना अधिक समय हम ज्ञान-साधना में बिताएंगे, उतना ही अज्ञान और समस्याओं का समाधान होगा। सभा का संचालन मंत्री रणजीत काकरेचा ने किया ओर जानकारी देते हुये बताया सभा के प्रारंभ में तित्थयरा मे पसियंतु सिध्दासिध्दिमम्दिसंतु का सामूहिक रुप से जाप किया गया। इस दौरान अनेक भाई बहनों ने उपवास आयंबिल एकासन आदि के युवाचार्यश्री से प्रत्याख्यान लिए। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष राजेश बांठिया ने जानकारी देते हुए बताया चैन्नई, बैगलौर इंदौर, पुणें आदि क्षैत्रो के श्रध्दालुओं की उपस्थित रही। मंगलवार उपाध्याय केवल मुनि जी महाराज की जन्म जयंती सामूहिक एकासना के साथ मनाई जाएगी। -**प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

महिलाओं उद्यमियों को मिला प्रोत्साहन,लोगों ने उत्पाद देख बढ़ाया मनोबल

जीतो लेडीज विंग द्वारा आयोजित ट्रेड फेयर ''उड़ान'' का आकर्षक समापन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीतो भीलवाड़ा चैप्टर लेडिज विंग द्वारा महिला उद्यमिता प्रोत्साहन के लक्ष्य से आयोजित दो दिवसीय ट्रेड फेयर उड़ान इ2उ का समापन रविवार रात में हुआ। जीतो लेडीज विंग की अध्यक्ष नीता बाबेल ने बताया कि ट्रेड फेयर के दूसरे दिन सभी सदस्यों एवं प्रतिभागियों के साथ बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथियों, उद्यमियों, महिलाओं एवं युवाओं की उपस्थिति रही। इस ट्रेड फेयर का उद्देश्य स्थानीय एवं बाहरी उद्यमियों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा,जहाँ वे अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रचार-प्रसार कर स्वावलंबी बनने की दिशा में आगे बढ़ सके। इस मेले में वस्त्र, ज्वेलरी, हस्तशिल्प, घरेलू सजावट, जैविक उत्पाद, खाने-पीने की वस्तुएं, एवं बच्चों के लिए मनोरंजन की विशेष व्यवस्थाएं की गई थी। इससे स्थानीय व्यवसायियों को ग्राहकों से सीधा जुड़ाव मिला उन्हें अपने उत्पादों का प्रमोशन करने का अवसर मिला है। जीतो लेडीज विंग की मुख्य सचिव अर्चना पाटोदी के अनुसार ट्रेड फेयर से छोटे एवं मझोले उद्योगों को अपनी पहचान बनाने का अवसर भी मिलता है। साथ ही उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर विभिन्न उत्पादों की विविधता एवं गुणवत्ता का तुलनात्मक अवलोकन करने का लाभ प्राप्त होता है। ट्रेड फेयर में विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएं, लाइव डेमो, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इससे प्रतिभागियों में उत्साह बना रहा एवं दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञानवर्धन का भी अवसर प्राप्त हुआ। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे फेयर का आयोजन समय-समय पर किया जाता रहेगा ताकि स्थानीय प्रतिभाओं, व्यवसायों एवं स्टार्टअप्स को एक बेहतर प्लेटफॉर्म प्राप्त हो सके। आयोजन को सफल बनाने में जीतो लेडीज विंग चेयर पर्सन नीता बाबेल,चीफ सैक्टरी अर्चना पटौदी, उड़ान कन्वीनर किरण चोरड़िया, ऊषा काला, वनिता बाबेल, श्वेता हिरण और इवेंट मैनेजर नेहा सिंघवी का पूरा सहयोग रहा। शाम को विशेष आयोजन रहा उसमे स्पॉन्सर नीतू ओस्तवाल और नीतू चोरड़िया ,नीता बाबेल रहे। सभी उद्यमियों के गिफ्ट महेंद्र नाहर और मनीष जी शाह & कंपनी के द्वारा स्पॉन्सर के रूप में सहयोग, एंटरटेनमेंट के कन्वीनर सोनल मेहता,मोनिका रांका, अंकिता सेठी , पलक भड़कतिया, स्वीटी नैनावटी, प्रीति सुराणा, अमिता बाबेल, रजनी सिंघवी, सपना तातेड़, सुनीता झामड़ आदि का रहा। आयोजन समिति ने शाम के इवेंट कन्वीनर, सभी बोर्ड सदस्यों का, ट्रेड फेयर के सहयोगियों और प्रायोजकों और सभी स्टॉल्स उद्यमियों सहित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग देने वालों का आभार जताया है। ट्रेड फेयर में भीलवाड़ा की विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष व मंत्री उपस्थित थे। इनमें महावीर इंटरनेशनल, माहेश्वरी महासभा के सभी अलग अलग क्षेत्र के पदाधिकारी, शांति भवन, अरिहंत भवन , प्राज्ञ भवन,अहिंसा भवन,दिगम्बर समाज के सभी क्षेत्र से पदाधिकारी, नानक मंडल, अम्बेश भवन, अग्रवाल समाज के सभी पदाधिकारी, आजाद नगर मंडल , त्रिशला मंडल आदि कई संस्था के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर अजमेर की जीतो लेडीज विंग की चेयरपर्सन सुनीता सेठी, लाड़ मेहता , शकुंतला खमेसरा, मनीषा मेहता, आयुषी लुहाड़िया, सुरुचि कोठारी, श्वेता पोखरना, डॉ.निधि जैन, दीपा सिसोदिया, नीलम जैन आदि भी मौजूद थे। दो दिवसीय ट्रेड फेयर उड़ान में विभिन्न प्रतियोगिताएं भी हुई। देश भक्ति पर किड्स के फैंसी शो केस में सिंगिंग में प्रथम आगम सूरिया, द्वितीय रायमा सिंघवी, तृतीय किंजल बोहरा, चौथे नंबर पर अथर्व चौधरी और पांचवे पर कृतार्थ खजांची रहे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार की धार्मिक यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार को चार बसों के द्वारा 143 सदस्यों को पदमपुरा, चाकसू, गुनसी एवं टोंक ग्रुप द्वारा निःशुल्क यात्रा करवाई गई। ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल द्वारा अवगत कराया गया कि पदमपुरा में अल्पाहार,चाकसू में सुबह एवं शाम का भोजन करवाया गया। ग्रुप की सांस्कृतिक मंत्री कौशल्या जैन द्वारा यात्रा के दौरान बहुत सहयोग किया गया।इनके पिताश्री चौथमल बड़जात्या एवं भ्राता अनिल कुमार बड़जात्या (चाकसू) द्वारा ग्रुप के पदाधिकारियों अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल, सचिव, विजय कुमार पांड्या, पूर्व अध्यक्ष, महावीर बाकलीवाल, कार्याध्यक्ष, सुरेश जैन बांदीकुई, कोषाध्यक्ष, कैलाश चन्द सेठी एवं मुख्य परामर्शक, चंद्र कांता छाबड़ा को शाल एवं मालाएं पहना कर सम्मानित किया गया एवं ग्रुप द्वारा उनके सदस्यों का स्वागत किया गया।गुनसी में श्री 105 दो आर्यिका माताजी द्वारा कलश स्थापना की गई, टोंक में श्री 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज के दर्शन लाभ लिए गए। महिला सदस्यों द्वारा भजनों पर डांस किया गया एवं हाऊजी गेम खेला गया। सभी सदस्यों द्वारा उपरोक्त यात्रा की प्रशंसा की गई। चंद्र कांता छाबड़ा द्वारा मंच संचालन किया गया एवं अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल एवं सचिव, विजय कुमार पांड्या द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

भगवान चंद्र प्रभु का महामस्तका अभिषेक समारोह सम्पन्न

विशाल शोभायात्रा निकाली, श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंजा नसिया परिसर

टोंक. शाबाश इंडिया

चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसियां तेरापंथीयान चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में रविवार को प्रथम बार मान स्तंभ में विराजमान चंद्र प्रभु भगवान के महा मस्तका अभिषेक महोत्सव का आयोजन हुआ। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि प्रातः चंद्र प्रभु मंदिर माणक चौक में भगवान चंद्रप्रभु पारसनाथ आदिनाथ का अभिषेक एवं लालचंद विकास कुमार झाझरी परिवार द्वारा शांति धारा कर नित्य नियम पूजा की गई, तत्पश्चात मानक चौक से विशाल शोभायात्रा रवाना हुई। शोभायात्रा छोटा बाजार बाबरो का चौक पंचकुइयां दरवाजा होते हुए नसिया पहुंची। शोभा यात्रा में श्री जी को रथ में लेकर बैठने का सौभाग्य कमल कुमार विमल कुमार बिलासपुरिया परिवार को मिला प्रेमचंद सूरजमल सोनी परिवार सारथी बने यज्ञनायक पारस कुमार जैन सोनी सरोली वाले चंद्रप्रकाश ललित कुमार बज एवं लालचंद विकास कुमार झाझरी परिवार को श्री जी के चँवर ढूलाने का सौभाग्य मिला। श्री जी के रथ को युवा अपने हाथों से चला रहे थे जुलूस में महिलाएं भक्ति नृत्य करते हुए हाथों में केसरिया ध्वज 16 स्वप्न भगवान चंद्र प्रभु के दोहे लिखे हुए तख्तियां हाथों में लेकर चल रहे थे । जुलूस में बग्गी रथ घोड़े बैंड ढोल भांगड़ा आदि कई प्रकार का लवाजमा मौजूद था।

भोले बाबा का भजनों की स्वर लहरियों के बीच अभिषेक व श्रंगार

जयपुर. शाबाश इंडिया

सावन के दूसरे वन सोमवार के अवसर पर आज ` दिल्ली रोड,बंगाली बाबा गणेश आश्रम स्थित स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव मंदिर में भोले बाबा का भजनों की स्वर लहरियों के बीच अभिषेक व श्रंगार किया,जो भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा। आयोजन से जुड़े मुख्य यजमान चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला ने बताया कि आज सुबह जयकारों के बीच भोले बाबा का गन्ने के रस,दूध व दही से अभिषेक किया गया। इसके बाद बाबा का भव्य श्रंगार किया। इस मौके पर भजन कलाकार सुरेश पांचाल व पवन शारा ने भजनों से भोले बाबा को रिझाया। इस मौके पर एमडी बांगड,गजेन्द्र लूनीवाल, ब्रज किशोर अग्रवाल,सुनील विजय,प्रवीण व मुरली शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सहस्त्र कूट जिनालय गुन्सी में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह सम्पन्न

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज भारत के तत्वावधान में भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघस्थ आर्यिका ज्ञान श्री माताजी एवं आर्यिका ज्ञायक श्री माताजी के सानिध्य में सहस्त्र कूट जिनालय गुन्सी में आर्यिकाओं का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित हुआ जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि रविवार को मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम में अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जहां मंदिर प्रांगण पर चातुर्मास का ध्वजारोहण कमल जैन मिथिलेश जैन निधि जैन एवं अयांश जैन मालवीय नगर द्वारा किया गया। चातुर्मास कार्यक्रम का मुख्य मंगल कलश स्थापित करने का सौभाग्य श्रेष्ठी शांतिलाल

जैन नन्दपुरी जयपुर वालो को मिला। इस दौरान कार्यक्रम की शुरूआत महिलाओं द्वारा मंगलाचरण से किया गया। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल पाटनी जौंला ने बताया कि समारोह के अतिथि टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल एवं नरेश बंसल थे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन एवं महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान समारोह के बीच श्रद्धालुओं एवं अतिथियों द्वारा जिन सहस्त्र नाम विधान एवं विज्ञा वर्धिनी प्रतियोगिता पुस्तक का विमोचन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में आर्यिका माताजी का पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य सुरेन्द्र पाटनी जयपुर निवासी को प्राप्त हुआ एवं वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य विष्णु बोहरा को मिला। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम में गुरु पूजन के साथ गुरुओं की मंगल देशना एवं आर्यिकाओं ने प्रवचन दिए। कलश स्थापना समारोह में अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विद्वानों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा मंगल कलश स्थापित किए गए। इस अवसर पर पदमचंद टोंग्या, पारसमल सांवलिया, त्रिलोक हरभगतपुरा, महेन्द्र चंवरिया, महावीर प्रसाद छाबड़ा, राजेन्द्र बगड़ी, विमल सोगानी, विमल झिलाय, राजेश बनेठा, एडवोकेट अशोक जैन, पदम सोगानी पारसमल सोगानी ताराचंद मोठूका सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

तीर्थंकर ग्रुप के सदस्यों द्वारा दुर्गापुरा में कलश स्थापना में सहयोग किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर के सदस्यों ने दुर्गापुरा में हुई 105आर्यिका गणनी सरस्वति माताजी ससंघ के चातुर्मास कलश स्थापना में पूर्ण सहयोग कर पुण्यार्जन किया है।सर्व प्रथम शुरू में झण्डारोहन व मंगल कलश स्थापना का कार्य ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश -सुमति अजमेरा व उनके सुपुत्र यशकमल-संगीता अजमेरा (फेडरेशन इन्दौर के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)व उनके पौत्र द्वारा किया गया। तीनों माताजी को शास्त्र भी भेंट किया। ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन ''मणि'' परिवार ने तीनों माताजी को वस्त्र भेंट कर पुण्यार्जन किया।ग्रुप के सदस्य महेन्द्र-निर्मला सेठी द्वारा एक कलश व एक अन्य सदस्य रहे विमल रेणी वालों ने एक बडा कलश का पुण्यार्जन किया। ग्रुप की प्रथम महिला ने नमोकार ग्रुप की महिलाओं संग महाराज/माताजी की पूजा में अर्ध चढाये। डाक्टर मनीष जैन 'मणि' (निदेशक फेडरेशन इन्दौर) ने स्थापना के कार्यक्रम व भोजन व्यवस्था में पूर्ण सहयोग किया। अन्य सदस्यों ने भी कार्यक्रम को देखा व समय दिया।

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर राजदीप सहित 300 फोटोग्राफर्स के छायाचित्र जवाहर कला केन्द्र- जयपुर में होंगे प्रदर्शित

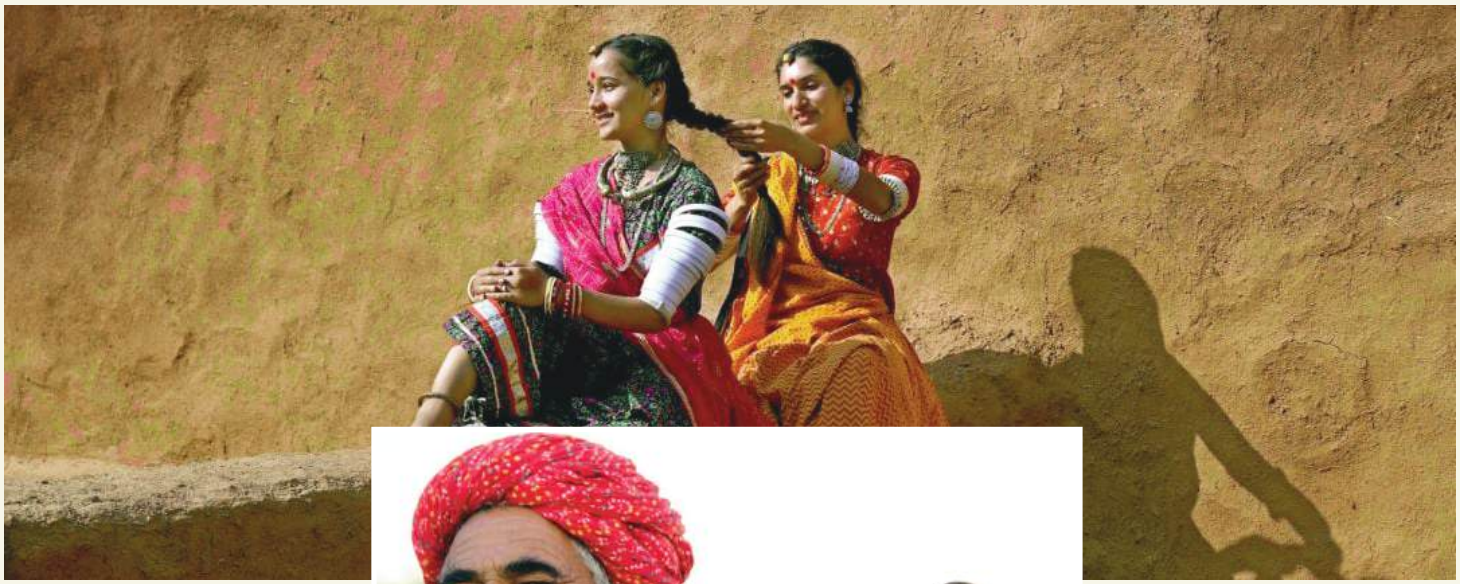

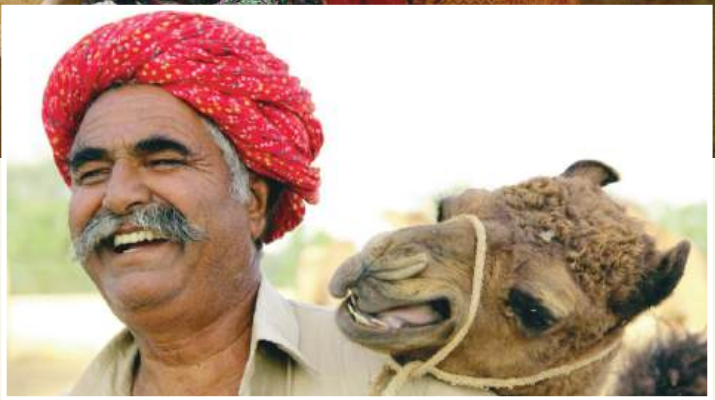

'नजर' फोटोग्राफी एग्जिबिशन के चौथे सीजन के लिए 30 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान फोटो फेस्टिवल के अंतर्गत बहुप्रतीक्षित नजर फोटोग्राफी एग्जिबिशन 24 से 26 अगस्त तक जवाहर कला केंद्र में आयोजित होगी। कार्यक्रम के दौरान अनुभवी फोटोग्राफर्स के टॉक सेशन भी होंगे, जिनमें वे अपने अनुभव और तकनीकी ज्ञान साझा करेंगे। वर्ल्ड फोटोग्राफी डे के उपलक्ष्य में 300 से अधिक शौकिया फोटोग्राफी प्रेमियों और पेशेवरों छायाकार प्रतिभागी 600 से अधिक शानदार तस्वीरें प्रदर्शित करेंगे। इस एग्जिबिशन में प्रशासनिक अधिकारी, फोटोजर्नलिस्ट्स, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स, डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स की सक्रिय भागीदारी नजर आएगी। इसकी खास बात यह है कि यहां मोबाइल से खींचे गए फोटो भी समान रूप से प्रदर्शित कर सराहना पाते हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान की सबसे बड़ी इस फोटोग्राफी प्रदर्शनी में देशभर सहित विभिन्न देशों के फोटोग्राफर्स भी भागीदारी निभाते हैं। इच्छुक प्रतिभागी 30 जुलाई 2025 तक **nazarphotoexhibition@gmail.com** पर मेल द्वारा आवेदन से पंजीकरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल द्वारा भक्ति संस्कृति और सौहार्द का अनुपम आयोजन

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री 1008 चन्द्रप्रभु भगवान के प्रथम महा मस्तिष्काभिषेक महोत्सव की पावन अवसर पर आज टोंक नगर में दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल टोंक द्वारा एक भक्ति मय, सांस्कृतिक एवं पारंपरिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गीत-संगीत, मेहंदी एवं अन्य पारंपरिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन में टोंक संभाग के साथ-साथ महासमिति के पदाधिकारीगण भी विशेष रूप से आमंत्रित रहे। इस गरिमामयी अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या, राजस्थान अंचल अध्यक्ष अनिल जैन (क्ढर), महिला अंचल संरक्षक श्रीमती मृदुला पांड्या, महिला अंचल अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका, अंचल मंत्री श्रीमती सुनीता गंगवाल, तथा अंचल कोषाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन ने टोंक पहुँचकर कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की। टोंक नगर में प्रवेश करते ही सांस्कृतिक सचिव श्रीमती रेखा जैन द्वारा सभी अतिथियों का भावभीना स्वागत किया गया। तत्पश्चात टोंक जिला प्रमुख श्रीमती सरोज नरेश बंसल ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए माल्यार्पण, तिलक और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सरोज जी बंसल द्वारा अपने निवास स्थान पर भव्य अल्पाहार की व्यवस्था की गई, जिससे सभी अतिथि भावविभोर हो गए। कार्यक्रम स्थल पर दीप प्रज्वलन का शुभारंभ अंचल पदाधिकारीगण के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर पीसी छाबड़ा साहब भी उपस्थित रहे। मंच से सभी गणमान्य अतिथियों का माला, साफा व दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया। संगीता बिलासपुरिया एवं अन्य महिलाओं ने भी सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए अपनी संस्कृतिक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। अंत में सुरेंद्र पांड्या, अनिल जैन एवं श्रीमती सुनीता गंगवाल के प्रेरणादायी उद्बोधनों से उपस्थित समाज अत्यंत प्रभावित हुआ।कार्यक्रम के समापन में महावीर जी संभाग की अध्यक्ष श्रीमती सुधा जैन का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। जिनके साथ मिलकर सभी ने गुरुदेव आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ दर्शन किए, जहाँ सभी पदाधिकारीगण ने गुरुदेव से महासमिति के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया अंत में सभी ने टोंक संभाग का आभार व्यक्त किया।

प्रो. विजय श्रीमाली की पुण्यतिथि पर प्रेरणादायी सेवा संकल्प

रक्तदान, पौधारोपण व भोजन वितरण से मिली समाज को नई दिशा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सादगी, सेवा और शिक्षावादिता के प्रतीक प्रो. विजय श्रीमाली की सातवीं पुण्यतिथि पर 'जीवन दूसरों के लिए जीओ' संदेश को जीवंत करते हुए एक बहुआयामी सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। टाइगर हिल स्थित श्री संस्कार भवन में आयोजित इस कार्यक्रम ने जहां समाज में मानवीय मूल्यों की गूंज जगाई, वहीं युवाओं को भी प्रेरित किया। इस अवसर पर 151 यूनिट रक्त एकत्र कर जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतु 501 पौधे लगाए और वितरित किए गए। यह आयोजन न केवल श्रद्धांजलि था, बल्कि प्रो. श्रीमाली की समाज सेवा को जीवंत रखने का संकल्प भी था। भोजन सेवा के तहत महाराणा भूपाल हॉस्पिटल परिसर में इलाजरत मरीजों के परिजनों को सायंकाल भोजन वितरित किया गया, जिसमें दर्जनों स्वयंसेवकों ने सहभागी बन सेवा भाव को आत्मसात किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रो. श्रीमाली के पूर्व विद्यार्थी, अनुयायी, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और उनके परिजन शामिल हुए। उनके जीवन और सिद्धांतों को स्मरण करते हुए उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, पूर्व शहर जिलाध्यक्ष भाजपा-रविन्द्र श्रीमाली सहित कई वक्ताओं ने कहा कि प्रो. श्रीमाली ने अपने जीवन को जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए समर्पित किया। सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर से लेकर एम.डी.एस. विश्वविद्यालय के कुलपति तक की उनकी यात्रा में वे हमेशा उन छात्रों के लिए खड़े रहे, जिन्हें शिक्षा और सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता थी। उन्होंने अपने वेतन से विद्यार्थियों की फीस चुकाई, शादी में सहयोग किया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई। फाउंडेशन के जतिन श्रीमाली ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल स्मृति नहीं, बल्कि सेवा का सतत संकल्प है। रक्तदान, पौधारोपण और भोजन वितरण, ये सब मिलकर उस जीवनदर्शन को दशार्ते हैं जिसे प्रो. श्रीमाली ने जिया। डॉ. श्रीकांत शर्मा और श्वेता श्रीमाली के नेतृत्व में नटराज किड्स प्लेनेट स्कूल की ओर से पौधों का निःशुल्क वितरण कर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया गया। इस अवसर पर पूर्व महापौर पारस सिंघवी, सुरेश श्रीमाली (बार काउंसिल ऑफ इंडिया), पूर्व नेता प्रतिपक्ष दिनेश श्रीमाली, अतुल चंडालिया, देवेन्द्र श्रीमाली सहित परिजन व स्वयंसेवक उपस्थित रहे। यह आयोजन एक व्यक्ति की स्मृति से आगे बढ़कर एक विचार, एक आंदोलन 'सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि है' का रूप ले चुका है

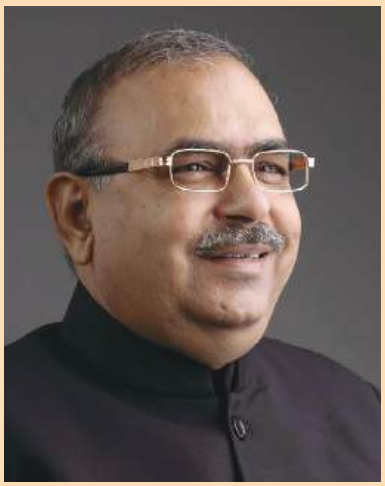

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'